हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 19 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ वुमेन के 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला। वन स्टॉप सेंटर मण्डला द्वारा संकल्प 100 मिशन शक्ति योजना नामांकन सप्ताह- ओएससी और डब्ल्यूएचएल कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण सत्र अंतर्गत डाक बैंक महाराजपुर जिला मण्डला के साथ डीबीटी सक्षमता एवं योजनाओं से लाभार्थी महिलाओं का आधार प्रमाणीकरण करने हेतु संयुक्त शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा उपस्थित गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को संतुलित भोजन एवं प्रसव से पहले पर्याप्त आराम की आवश्यकता के बारे में बताया गया एवं मातृवंदना योजना से जोड़ने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। जिला हब में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी बताया गया और वन स्टॉप सेंटर में दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को प्रोत्साहित किया गया और आगे भी इन गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

डॉ. एसआर राय का निधन

निवास। विगत दिवस विकासखंड निवास के ग्राम पिपरिया निवासी डा. एसआर राय सिवनी जिले में सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। जिनका उपचार नागपुर में चल रहा था। डॉ. एसआर राय निवास ग्राम पिपरिया निवासी प्रतीक राय के पिता थे। डॉ. एसआर राय का नागपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया। बताया गया कि डॉ. एसआर राय बजरंग उच्चतर माध्यमिक शाला जेवरा के रिटायर्ड शिक्षक के साथ निवास पिपरिया क्षेत्र के अच्छे चिकित्सक भी रहे। इनके निधन से क्षेत्र में शोक व्याप्त हैं। इनका अंतिम संस्कार गुरुवार को पिपरिया ग्राम में किया गया।

लम्बित प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महा अभियान 2.0

क्यों नहीं गंभीर राजस्व विभाग

*** 31 अगस्त तक चलेगा अभियान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पिछले लगभग 02 वर्षो से लगातार राजस्व विभाग को जिला प्रशासन द्वारा समय-सीमा में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समझाईश दी जा रही है लेकिनइस समझाईश का कितना असर इस विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों पर हुआ यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। अब एक बार पुनः लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये महाअभियान प्रारंभ किया जा रहा है और जिसकी मॉनिटरिंग कमिश्नर से लेकर अन्य बड़े अधिकारी करेंगे। देखना होगा यह महाअभियान कितना सफल हो पाता है। हकीकत यह है कि आज भी छोटे-छोटे प्रकरणों को लेकर ग्राम एवं नगर के लोग वर्षो से इस विभाग के चक्कर काट रहे हैं लेकिन समाधान करना तो दूर विभाग ने इन प्रकरणों की सुध तक नहीं ली है। किसानों की सुविधा और लंबित राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिए 18 जुलाई से 31 अगस्त 2024 तक राजस्व महा अभियान-2.0 संचालित किया जा रहा है। किसानों और आमजन की सहुलियत के लिये पटवारी और मैदानी अमला मुख्यालय पर रहकर दायित्वों का निर्वहन करेंगे। अभियान अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण भी किया जायेगा। राजस्व महा अभियान में संभागायुक्त, कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार मैदानी क्षेत्र का भ्रमण करेंगे और राजस्व महा अभियान में की जा रही कार्यवाही की मॉनीटरिंग करेंगे। राजस्व महा अभियान में अविवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 30 दिन में, विवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 150 दिन में किया जायेगा। बंटवारा प्रकरणों के निराकरण की समय-सीमा 90 दिन है और सीमांकन प्रकरणों को 45 दिन में निराकृत किया जाएगा। इसके साथ ही नक्शे में तरमीम का कार्य सतत जारी रहेगा। राजस्व महा अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। राजस्व महा अभियान 2.0 में 30 जून 2024 की स्थिति में लंबित नामांतरण, बँटवारा, अभिलेख दुरूस्ती और सीमांकन के प्रकरणों में निराकरण का लक्ष्य रखा गया है।

अभियान में होगा डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण

राजस्व महा अभियान में एक अगस्त से 15 सितंबर 2024 तक फसलों का डिजिटल (क्रॉप) सर्वेक्षण किया जायेगा। किसानों के खेत पर जाकर फसल का फोटो सहित जानकारी अद्यतन करने के लिये युवाओं का चयन किया जाएगा। चयनित युवाओं को 25 जुलाई तक प्रशिक्षित किया जायेगा। राजस्व महा अभियान में आरसीएमएस पोर्टल पर प्रकरण दर्ज करने और पूर्व आदेशों के अनुसार खसरों और नक्शे में अमल सुनिश्चित किया जाएगा। राजस्व महा अभियान में निःशुल्क समग्र ई-केवाईसी और समग्र से खसरे की लिंकेज की सुविधा दी जा रही है। इसके साथ ही स्वामित्व योजना में आबादी भूमि के सर्वेक्षण की कार्यवाही पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत

*** दो महिला घायल, बिछिया स्वास्थ्य केन्द्र में चल रहा उपचार।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई

मवई थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी दादर के नदी टोला में स्थित खेत में रोपा लगाने का कार्य चल रहा था। जहां ग्रामीणजन खेत में रोपा लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक दोपहर करीब 02 बजे तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने किसान खेत के मेढ़ की तरफ भागे और मेढ़ में खड़े हो गए। इसी दौरान तेज गरज के साथ आकाशीय बिजली खेत के मेढ़ में खड़ी महिलाएं इसकी चपेट में आ गई। इस घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई और दो महिला घायल हो गई है। घटना की जानकारी मवई पुलिस और 108 एम्बुलेंस को दी गई। घायल महिलाओं को स्वास्थ्य केन्द्र उपचार के लिए ले जाया गया।

जानकारी के अनुसार मवई ब्लाक के ग्राम देवरी दादर नदी टोला के खेत में रोपा लगाने का कार्य चल रहा था। अचानक दोपहर 2 बजे तेज गरज के साथ बारिश शुरू हो गई और रोपा का कार्य कर रही सभी महिलाएं खेत से बाहर आकर मेढ़ में खड़ी हो गई थी। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। जिसकी चपेट में गदिया बाई नरेती 55 वर्ष पति कुंवर सिंह आ गई। गदिया बाई की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई और दो महिलाएं जगोतीं जागोतिन बाई परस्ते 54 वर्ष पति तितरू सिंह, राधाबाई परस्ते पति नवल सिंह 26 वर्ष आकाशीय बिजली गिरने से घायल हो गई। घटना के तुरंत बाद आसपास के खेतों में रोपा लग रही महिलाओं ने ग्राम वासियों को सूचना दी।

बताया गया कि ग्रामीणों को जानकारी लगते ही तत्काल मौके पर पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने मवई पुलिस और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां घायलो का इलाज किया जा रहा है। वहीं मृतक महिला के शव को पीएम के लिए मवई भेजा गया है। जहां पीएम के बाद महिला के शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। बताया गया कि आकाशीय बिजली की घटना के दौरान सभी महिलाएं जनक टेकाम के खेत में रोपा लगाने के लिए गई हुई थी इसी दौरान आकाशीय बिजली से हादसा हो गया।

प्रतिबंध के बावजूद बेखौफ पकड़ रहे मछलियां

*** बिक रही मछलियां, मत्स्याखेट पर कार्यवाही नहीं।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

16 जून से 15 अगस्त तक मछलियों के आखेट पर प्रशासन द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया था। बावजूद इसके निरंतर मछलियों का शिकार जारी है। इतना ही नहीं खुलेआम व्यापारी मछलियों का विक्रय भी करते नजर आ रहे, लेकिन इस पर कार्यवाही करने में विभाग पूरी तरह से नाकाम दिखाई दे रहा है। बाजार समेत मुख्यालय के आसपास भारी तादाद में मछलियां विक्रय की जा रही है। कार्रवाई के नाम पर विभागीय अमला केवल औपचारिकता का ही निर्वहन करते नजर आ रहा है। यहां प्रतिबंध के आदेश की धज्जियां उड़ रही है। यहां मत्स्य विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लग हुआ है। जानकारी अनुसार प्रजनन काल में मछलियों का उत्पादन प्रभावित ना हो इसके लिए शासन स्तर से मछली के शिकार पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रतिबंधात्मक आदेश के पालन के लिए जिम्मेदार मछली पालन विभाग को मत्स्याखेट रोकने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंडला जिले के नदी, नाले, जलाशय और तालाब से जमकर मत्स्याखेट किया जा रहा है। मछुआरो ने जाल फैला रखे है। नर्मदा में डोंगी से मछलियो की तलाश की जा रही है लेकिन मछली पालन विभाग और पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिले भर में मत्स्याखेट और मछली विक्रय जमकर जारी है। खुलेआम जिला मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्रों में इसका नाजारा देखने को मिल रहा है। लेकिन मछली विक्रय करने वाली की भी मजबूरी है कि उनके पास इस दो माह अपने भरण पोषण के लिए दूसरा कोई कार्य नहीं रहता है। जिसके कारण मजबूरी में भी इनको मछली विक्रय करनी पड़ती है। शासन, प्रशासन के बनाए नियम सिर्फ आम लोगों पर ही लागू होते है, इन नियमों की धज्जियां उड़ाना सरकार के नुमाईंदो का काम है। खानापूर्ति कर वाहवाही लूटना अधिकारियों, कर्मचारियों की फितरत बन गई है। हम बात कर रहे आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला के मत्स्य विभाग की, जहां पदस्थ अधिकारी, कर्मचारी सिर्फ दिखावे के लिए कार्रवाई की औपचारिकता निभाते है। जिला मुख्यालय के बाजार में खुलेआम मछली बाजार संचालित हो रहा है, वहीं पांच किमी दूर सहस्त्रधारा में रोजाना कई क्विंटल मछलियां मछुआरे पकड़कर बेचने के साथ बाहर भी भेज रहे है, लेकिन मत्स्य विभाग की नजर यहां नहीं है, विभाग मुख्यालय से 50 किमी दूर जाकर बाजारों में कार्रवाई कर अपने कार्रवाई के रिकार्ड की शोभा बढ़ा रहे है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पत्रकारों ने नीम का पौधा लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/बम्हनीबंजर

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एकादशी के दिन पत्रकारों और उनके साथियों द्वारा वार्ड नंबर 15 की मुक्तिधाम में दो नीम का पौधा लगाया गया है वहीं नगरवासियों से इस अभियान में जुड़ नगर में हरियाली लाने अपनी मां के नाम पौधरोपण करने अपील की है। बता दें कि पेड़ ऑक्सीजन व छाया देती है, उसी प्रकार हमारी मां हमें बचपन से बड़े होते तक हमारा ध्यान रखकर हमे सहारा देने के साथ साथ सफल जीवन जीने की प्रेरणा देती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर हमे एक पेड़ माँ के नाम अपने घर आंगन, बगीचा व खेत में पौधरोपण करना है। पौधे लगाने के साथ साथ उसका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है, क्योंकि देख रेख करने से ही पौधे वृक्ष का रूप लेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने बच्चों की परवरीश कर उन्हें बड़ा करते है, उसी प्रकार हमें पौधे की देख रेख कर बड़ा करना है, तभी वृक्षारोपण की सार्थकता होगी।

निराधार निकले मारपीट के सभी आरोप

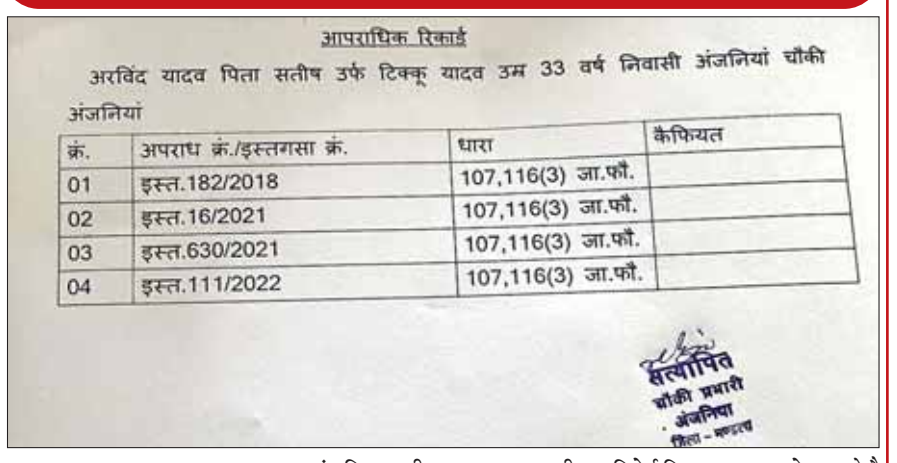

आपराधिक रिकार्ड

अरविंद यादव पिता सतीष उर्फ टिक्कू यादव उम्र 33 वर्ष निवासी अंजनियां चौकी अंजनियां

क्रं.	अपराध क्रं./इस्तगसा क्रं.	धारा	कैफियत
01	इस्त.182/2018	107,116(3) जा.फौ.	
02	इस्त.16/2021	107,116(3) जा.फौ.	
03	इस्त.630/2021	107,116(3) जा.फौ.	
04	इस्त.111/2022	107,116(3) जा.फौ.	

सत्यापित
चौकी प्रभारी
अंजनिया
जिला - मण्डला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/अंजनिया

कतिपय समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल द्वारा एक खबर प्रकाशित की गयी हैं जिसमें जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदक अरविंद यादव पिता टिक्कू यादव द्वारा चौकी प्रभारी अंजनिया द्वारा पैसे की डिमांड एवं जेल कर्मियो द्वारा जेल में मारपीट किये जाने के संबंध में दिये गये शिकायत का उल्लेख किया गया हैं। शिकायत एवं मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए तथ्यों की जांच राजपत्रित अधिकारी से करवाई गयी।

दिनांक 14.07.2024 को माननीय न्यायालय मंडला जेएफएमसी द्वारा चैक बाउंस के प्रकरण क्रमांक 06/2022 धारा 138 एनआईए में प्राप्त गिरफ्तारी वारंट में चौकी अंजनिया पुलिस द्वारा अभियुक्त का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से माननीय न्यायालय के आदेश पर अभियुक्त अरविंद यादव को जेल दाखिल किया गया। उक्त दिनांक को चौकी प्रभारी अंजनिया की मुलाकात कभी शिकायतकर्ता से नहीं हुई क्योंकि वह अभियुक्त के चौकी लाए जाने के पूर्व ही शासकीय कार्य से बाहर होने के कारण चौकी में उपस्थित नहीं थे। उक्त के संबंध में तकनीकी साक्ष्य सीसीटीवी भी जांचे गए जिसमें आरोप निराधार पाया गया। इसके पूर्व आवेदक अरविंद यादव पिता टिक्कू यादव उम्र 33 साल निवासी अंजनिया दिनांक 12/06/2024 को पुलिस चौकी अंजनिया में चेक बुक गुम हो जाने का आवेदन लेकर आया था जिसे आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र संलग्न कर लाने की समझाइश पुलिस स्टाफ़ द्वारा दी गई परंतु आवेदक द्वारा शपथ पत्र के साथ आवेदन दोबारा पेश नही किया। आवेदक द्वारा उक्त विषय को लेकर भी सीएम हेल्पलाइन शिकायत भी किया था जिसपर आवेदक को तलब कर पुनः आवेदन पत्र में शपथ पत्र संलग्न कर पेश करने कहा गया और बताया गया कि लोग किसी को चेक देने के बाद चेक बाउंस के केस से बचने हेतु चेक गुम की रिपोर्ट लिखा कर दुरुपयोग करते है इसलिए शपथ पत्र जरूरी है जो आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ पेश नही किया और समझाइश पर अपने द्वारा की गई सीएम हेल्प लाइन की शिकायत बंद करा दिया।

दूसरे आरोप के संबंध में जेल अधीक्षक के द्वारा भी बताया गया है कि अभियुक्त का जेल से निकलते वक्त का वीडियो फुटेज देखा गया जिसमें वह न्यूज चैनल पर प्रसारित वीडियो के विरुद्ध बिना चोट के सीधा चलता हुआ दिखाई दे रहा है। इस संबंध में जेल स्तर पर भी प्राथमिक जांच में आरोप बेबुनियाद पाया गया। अतः आवेदक द्वारा जनसुनवाई के दौरान लगाये गये आरोप अप्रमाणिक एवं निराधार पाए गए हैं।

शिकायतकर्ता आदतन शिकायती प्रवृत्ति का है। लोगो से वाद विवाद के चलते शिकायतकर्ता के विरुद्ध चौकी अंजनिया में पूर्व में भी वर्ष 2018, 2021 एवं 2022 में कुल 4 बार बॉण्ड ओवर की कार्यवाही की गई है। अतः पुलिस तथा जेल प्रशासन पर निराधार आरोप लगाया जाना पाया गया है।

सुविधा | **माली मोहगाँव, बेरटोला और आमाटोला प्रधानमंत्री ग्राम सड़क से आपस में जुड़े।**

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बेहतर सुविधा मिली

*** लगभग 20 लाख की लागत से हुआ निर्माण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से महाराजपुर घाघा रोड से माली मोहगांव तक पक्की सड़क का निर्माण कर नागरिकों को आवागमन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का निर्माण 19 लाख 96 हजार की लागत से किया गया है। इसकी लम्बाई 2.461 किलोमीटर है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का निर्माण होने से ग्राम माली मोहगांव, बेरटोला और आमाटोला आपस में पक्की सड़क से जुड़ गए हैं। इससे नागरिकों की आवागमन सुविधा बेहद आसान हुई है। ग्राम आमाटोला निवासी सुशील कुलेश ने बताया कि पहले इन गांवों के लिए कच्ची सड़क थी जिससे नागरिकों को आने-जाने में बहुत कठिनाई होती थी। इन गांवों के बीच में धुर्रा नाला पड़ता था, उस नाले में बरसात के मौसम में पानी भर जाता था जिससे लोगों को आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी। ग्राम मालीगांव, बेरटोला और आमाटोला के छात्र-छात्राओं को हाईस्कूल की पढ़ाई करने के लिए महाराजपुर जाना पड़ता था। इन छात्र-छात्राओं को बरसात के मौसम में धुर्रानाला पार करने में बहुत कठिनाई होती थी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से पक्की सड़क का निर्माण होने और धुर्रानाला में पुलिया बन जाने से अब इन गांवों की छात्र-छात्राएं प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल की पढ़ाई के लिए महाराजपुर और मंडला आसानी से आ-जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों का एडमिशन अमल ज्योति स्कूल महाराजपुर में कराया है। उसका पुत्र आइश कक्षा तीसरी में अध्ययनरत है और पुत्री एलिजा कक्षा चौथी में पढ़ाई कर रही है। उसके बच्चे रोजाना प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की पक्की सड़क से स्कूल आना-जाना करते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की पक्की सड़क बन जाने से वह बहुत प्रसन्न है। ग्राम मानादेही निवासी अगनू कुड़ापे ने बताया कि पहले महाराजपुर घाघा रोड से माली मोहगांव तक कच्ची सड़क थी। कच्ची सड़क से नागरिकों को मंडला और महाराजपुर आने-जाने में बहुत दिक्कत होती थी। नागरिकों को हाट-बाजार, शासकीय कार्यालय और नाते-रिश्तेदारों के घर जाने में बहुत परेशान होना पड़ता था। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का निर्माण होने से अब इन गांवों के नागरिक आसानी से आना-जाना कर रहे हैं। इस प्रकार से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने ग्राम माली मोहगांव, बेरटोला और आमाटोला के नागरिकों की आवागमन को सुविधाजनक बना दिया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सुविधा पाकर ग्रामीणजन बहुत प्रसन्न हैं।

खबर संक्षेप

आधार कार्ड केन्द्र बनाये जाने की मांग

सालीचौका। जहां सरकार द्वारा हर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से लेकर बैकों व खेती बाडी के कार्यो के लिये आधार कार्ड को अनिवार्य किया गया है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कई वर्ष पहले जब लोगों के आधार कार्ड बनाये गये थें। उस दौरान आधार कार्य बनाने वाले लोगों द्वारा अनेक प्रकार की गलतियाँ किये जाने का परिणाम इस समय लोगों को भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि जब आधार कार्ड बनाये गये थें उस समय आधार कार्य की उपयोगिता नही होने के कारण लोगों द्वारा उस समय उन तुत्रियों पर ध्यान नही दिया गया था। मगर जब आधार कार्य को सभी कार्यें में जरूरी कर दिया गया है तो पहले आधार कार्ड बनाने में की गई गलतियाँ अब परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहे है। इस तरह तुत्रिपूर्ण आधार कार्डो के सुधार को लेकर लोगों को भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि आधार कार्य सुधार संबंधी केन्द्र शासन द्वारा निर्धारित किये गये है जिसके चलते अब सालीचौका क्षेत्र के लोगों को अपने आधार कार्ड सुधार कार्य कराने के ्लिये गाडरवारा या फिर चीचली सहित अन्य स्थानों पर भटकने के ्लिये मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर निर्धारित किये गये इन केन्द्रो की संख्या सिमित होने के कारण बनाये गये आधार कार्ड केन्द्रो पर भीड़ की स्थिति होने से जहां लोग दिन दिन भर इंतजार करने के बाद खाली हाथ घरों को लौटने के लिये मजबूर होते हुये देखे जाते है। इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति सालीचौका से गाडरवारा या फिर चीचली अपना आधार कार्ड सुधरवाने के लिये जाता है तो उसका दिन भर का समय बर्बाद होता है और यदि काम पूरा नही हो पाता है तो दूसरे दिन ्फिर भटकना पड़ता है। इस तरह आर्थिक क्षति सहित समयकी बर्बादी होने से नही चूक पा रही है। सालीचौका क्षेत्र के लोगों से शासन प्रशसन से मांग की जा रही है कि सालीचौका में आधार कार्ड बनाने व सुधार कार्य करने के ्लिये आधार केन्द्र की स्थापना कराई जावे।

लड खडाई स्वास्थ्य सेवाएं

सालचौका। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा लोगों के अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने की बात कहते हुये आये दिन अनेक प्रकार की योजनाएं शुरू कर कर रही है। मगर कहा जाता है कि जब शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रो में डाक्टर ही नही होगे तो फिर वह सेवाओं का लाभ लोगों को कैसे मिल पायेगा? इस बात की सच्चाई इस समय स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र में देखने मिल रहा है, जहां पर बताया जाता है कि वर्तमान में चल रहे मौसम के अजीब खेल के दौरान लोग बीमारियों से पीड़ित होते हुये देखे जा रहे है, जिसके चलते मरीजो की संख्या तो दिनों दिन बढ़ रही है। मगर मरीजों की समस्या कम नही हो रही सालीचौका स्वाथ्य केन्द्र से लगभग सैकड़ों गांव लगे हुए है जहां पर दूर दूर से लोग यहां इलाज कराने आते है लेकिन सालीचौका स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टरों की कमी के चलते मरीज बेहद परेशान हो रहे है। वही दूसरी ओर देखा जाता है कि कई मरीजों का समय पर इलाज नहीं होने के कारण उन्हें प्राइवेट डाक्टरों से इलाज कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिसके चलते आम लोगों का कहना है कि मरीज जब गांव से यहां पर इलाज कराने के लिए पहुंचता है तो उसे भटकने के शिवा कुछ हासिल नही होता है।

बिजली खम्बों में आग लगने सेअंधेरे में रहने मजबूर होते है लोग

गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन शहर हो या ्फिर गांव बिजली बिलों की बसूली करने के नाम पर लोगों की लाईट काटने में देर नही की जाती है। मगर वही दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर देखा जावे तो बिजली विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ अपनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में शहर के अंदर बिजली खम्बों में केबिले जहां मकडी की जात की तरह उलझी हुई नजर आने से नही चूक रही है।

पांच साल पहले तालाब फूटने से

बर्बाद हुये ग्रामीण किसानों का कौन था जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जब क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होती है तो निश्चित तौर से उस पर दुख व्यक्त करने वाले नेताओं से लेकर अधिकारियों की लाईन लगने से नही चूकती है और मौके पर दोषियों पर कार्यवाही करने का भरोसा दिलाने से भी नही चूकते है। मगर ज्यो ज्यो दिन व्यतीत होते जाते हे त्यों त्यों उस घटना को भुला दिया जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई आज से लगभग पांच पहले यानि की 3 सितम्बर 2019 को क्षेत्र में उस समय देखने मिली थी जब सुबह ग्राम रहमा सहित देवरी के लोगो को उगते हुये सूरज के बीच बर्बादी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा था शायद ही वहां के निवासी उस मंजर को कभी भुला पायेगे...? क्योंकि अचानक एक नाले में आये सैलाब के बीच देखते ही देखते सब कुछ चंद निमिटों में उजड़कर चला गया था। वही अनेक लोगों के आवास धराशायी हो गये थें। क्योंकि लोगों के घरों के अंदर बंधे हुये अनेक मवेशी दबकर मर जाने के साथ साथ किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले बर्बाद होने से नही चूक पायी थी आखिर इसका जिम्मेदार कौन था..? इस सच्चाई को लगभग पांच साल का समय बीतने को है । मगर घटना की सच्चाई का न तो क्षेत्रवासियों का कोई पता चल पाया है और नही उनकी हुई क्षति की भरपाई हो पाई होगी..? क्योंकि जिस तरह से ग्राम रहमा देवरी के पास से निकला हुआ केवलारी नाले में अचानक बाढ़ को जो मंजर देखने मिला था। वह निश्चित तौर से अनेक संदेहों को जन्म देने से नही चूक पा रहा था? बताया जाता है कि उस नाले में बाढ़ आने की कल्पना कभी नही की जा सकती है? मगर इसके बाद भी अचानक आई इस केवलारी नाले की बाढ़ ने जिस प्रकार से ग्राम रहमा सहित देवरी व अन्य गांवों में जो कहर ढ़ाया गया था उसके चलते अनेक लोग बेघर होने के बाद कई दिनों तक खुले आसमान के नीचे रहने के लिये मजबूर होते हुये देखे गये थें। वही दूसरी ओर अनेक लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाने के कारण उनके द्वारा बड़ी मुश्किलों के बीच अपना जीवन व्यतीत करते हुये आज भी देखा जा रहा है? क्योंकि इस प्रकार से एक छोटे से नाले में अचानक आई उस बाढ़ ने जिस तरह की तबाही मचाई गई थी उसकी सूचना मिलते ही जहां तत्कालीन जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डा. गुरूकरन सिंह सहित क्षेत्र की तत्कालीन विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा तुरंत क्षेत्र का भ्रमण करते हुये जहां पीड़ितो लोगों को सहायता करने का भरोसा दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। वही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की व्यवस्थाएं भी बनाये जाने के साथ ही साथ इस घटना में हुई क्षति का सर्वे करने के आलवा संपूर्ण घटनाक्रम की जांच के आदेश भी जारी किये थें..? वही दूसरी ओर इस नाले में आई बाढ़ जो इन ग्रामों के लोगों को बर्बाद की कगार पर पहुंचा दिया गया था। मगर उसकी सच्चाई का पता लगाने का प्रयास किया गया था तो जानकारी मिली थी कि जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टूडनी के पास बने हुये पांच तालाबों के रख रखाब में बरती गई लापरवाही का परिणाम था कि उनके फूट जाने के कारण इस केबलारी नाले में इस प्रकार से बाढ़ का मंजर देखने मिला था और उस लापरवाही ने ग्राम देवरी, बारहाबड़ा सहित ग्राम रहमा के अनेक लोगों को बेघर करते हुये बर्बाद करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी? वही दूसरी ओर बीते हुये पांच साल पहले इस संबंध में जब राजस्व विभाग के अधिकारी से चर्चा की गई थी तो उनका कहना था कि ग्राम रहमा के पास से निकले हुये केबलारी नालें में अचानक आई बाढ़ का कारण यह है जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टूडनी के पास बने हुये 1 वन विभाग का तालाब तथा 4 निजी तालाबों के फूटने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई थी। मगर उन तालाबों के रख रखाब में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ क्या कार्यवाही हुई आज तक किसी को पता नही चल पाया है..? कही ऐसा तो नही की माता लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते गरीबों की बर्बादी का मंजर सिर्फ जांच की फाईलों में ही दब कर दीमक के हवाले हो गया हो..? इस प्रकार से नाले में तालाब फूटने के कारण आई हुई बाढ़ के कारण जहां अनेक पशु मृत हो गये थें। वही अनेक लोगों के मकान गिर जाने के कारण लोग आवास हीन होने से बेघर होकर पूरा बारिश का मौसम खुले आसमान के नीचे काटते हुये देखा गया था। इस प्रकार से अनेक किसानों के खेतों में अधिक पानी भरने के कारण उनकी फसले भी खराब हुई है जिनका सर्वे कराया जाने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भरोसा भी मिला था...? मगर कार्यवाही के नाम पर क्या हुआ है इस बात का पता खोजने से भी नही मिल पा रहा है? इस प्रकार से अधिकारियों द्वारा नाले में अचानक आई हुई बाढ़ का कारण तालाब फूटने का कारण तो स्पष्ट कर दिया गया था कि जिसमें एक तालाब वन विभाग का तथा चार तालाब निजी बताये जा रहे थे? इस सच्चाई के उजागर होने के उपरांत यह सबाल यह पैदा होने से नही चूक पा रहा था कि जो निजी तालाब इस क्षेत्र में बनाये गये थें और वह ग्रामीणों की बर्बादी का कारण साबित हुये थें तो फिर क्या शासन के द्वारा उनकी अनुमति दी गई थी? इस प्रकार से भले ही इस घटना को पूरा लगभग पांच साल का समय बीत चुका है। मगर आज भी उस मंजर को याद करते हुये जहां ग्रामीणों की आंखों में आंसू छलकने से नही चूकते है तो दूसरी ओर आज भी बर्बाद हुई लोग इस बात का इंतजार करते हुये देखे जा रहे है कि आखिरकार उनकी इस बर्बादी का जिम्मेदार कौन था और प्रशासन ने उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है...? इतना ही नही इस मामले में इतना लम्बा समय बीते जाने के बाद क्या जांच हुई तथा पीड़ितों के लिये क्या सहायता मिली यह सच्चाई आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है? वही दूसरी यदि गौर किया जावे तो जिस प्रकार से फूटने वाले तालाब किसके थें और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई है इसका इंतजार आज भी यहां के प्रभावित किसान करते हुये देखे जा रहे है..? वही इस घटना को लेकर क्षेत्रवासियों का कहना है कि कही ऐसा तो नही कि इस बर्बादी के मंजर की सच्चाई वाली फाईल जांच के नाम पर लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते सरकारी कार्यालय में नीचे दबने के बाद उनको दीमक तो नही खा गये है.....? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने मगर इस संबंध में जब ग्राम रहमा के लोगों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हम वर्षो से देख रहे है कि इस नालें में कितनी भी बारिश हो जावे मगर बीते हुये पांच वर्ष पहले 3 सितम्बर 2019 के समान बाढ़ कभी नही आई है और जो बाढ़ आयी थी उसका कारण बारिश नही थी वह तो निश्चित ही किसी न किसी की लापरवाही का ही परिणाम था जो हम लोगों को पूर्णरूप से बर्बाद किये जाने के बाद भी आज तक दोषियों के खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नही हुई है। यह बात सत्य है कि उस समय अनेक जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर नेताओं ने हमारे यहां बर्बादी का मंजर देखते हुये लोगों के पुड़ी तिरकारी बांटते हुये दोषियों पर कार्यवाही का भरोसा दिलाने के लिये हम हर संभव मदद करने की बात कही गई थी। मगर पूरा चार साल का समय बीते जाने के बाद भी हमे इस बात का पता ही नही चल पा रहा है कि आखिरकार दोषियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है।

कौशल प्रदर्शनी का नगर के बीटीआई स्कूल में किया गया आयोजन, ब्लाक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य लोग भी रहे मौजूद

गाडरवारा। स्थानीय पीएमश्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बीटीआई) स्कूल में शासन के निर्देशानुसार विद्यालय स्तर पर कौशल एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि आयोजित इस प्रदर्शनी में छात्रों ने व्यवसायिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न मॉडलों को तैयार कर उनका प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित साईंखेड़ा ब्लाक शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या ने छात्रों द्वारा बनाये गए मॉडलों का अवलोकन करते हुए उन्हें मार्ग दर्शन देते हुए कहा कि व्यावसायिक शिक्षा भी रोजगार प्राप्ति का अच्छा माध्यम है। इस दौरान सभी छात्र अपने अंदर व्यावसायिक कौशलों की समझ को विकसित करें। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य श्रीमती सुनीता पटैल ने कहा कि विद्यालय में बेहतर तरीके से छात्रों को व्यवसायिक शिक्षा देने का कार्य शिक्षकों द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर विज्ञान शिक्षक के के राजोरिया, अलका कोरी, पुष्पा विश्वकर्मा, संगीता गोल्हानी, किरण अग्रवाल, सुनीता शर्मा, के वी कौरव, सोमनाथ पसेडिया, एमएम शर्मा, अनुज जैन, मलखान सिंह मेहरा ,रिनी जैन ने भी छात्रों को मार्ग दर्शन प्रदान किया। वही इस कार्यक्रम का मंच संचालन अर्पणा ब्राउन ने किया । वही ब्लाक शिक्षा अधिकारी इंदुरख्या ने संस्था में स्थित रसायन प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम उपरांत संस्था में वृक्षा रोपण का कार्य पूर्व छात्रों, वर्तमान छात्रों एवं शिक्षकों के सहयोग से किया गया तथा स्वच्छता का संदेश देते हुये शिक्षण संस्था परिसर में सफाई अभियान चलाया गया।

मातमी पर्व मोहर्रम का हुआ समापन

कर्बला में विसर्जित किये गये ताजिये

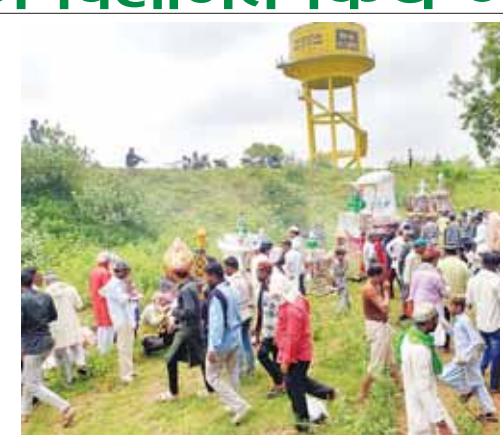

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस्लाम धर्मावलंबियों के मातमी पर्व की 10 तारीख बीते हुये बुधवार को अकीदमंदों द्वारा हसन, हुसैन की याद में बनाए गए ताजिए नगर में निकाले गये, सैलाब देखता हूं तो होता है ये गुमान, पानी फिरता है तलाश-ए- हुसैन में, कातिल के सामने जो झुकाये न अपना सिर, समझों की उसके जेहन का मालिक हुसैन है। इन जजबातो को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष शहर के मुस्लिम भाईयों ने मातमी पर्व मोहर्रम शहर में भाईचारे का परिचय देते हुए मनाया गया। बताया जाता है कि हर साल ताजियों का मोहर्रम की 11 तारीख को मजमा शक्कर नदी में लगता था। मगर इस वर्ष इस मजमे के लिये जगह परिवर्तित रूप में देखने मिली जो सुबह सभी ताजिये नए बस स्टैंड बाबड़ी अखाड़ा दरगाह के पास रखे गए ,यहा पर अंतिम दीदार के लिए भारी संख्या में लोग पहुँचे बाबड़ी अखाड़ा दरगाह कमेटी द्वारा यहां पर माकूल इंतजाम कर लंगर तक्सीम किया गया दो-तीन घंटे तक मजमा चलने के बाद सभी ताजिये क्रमबद्ध तरीके से या हसन या हुसेन के नारे लगाते हुए शिवांगन कालोनी होते हुये कर्बला के पास बने कुंड में विसर्जित किये गए । लोगो ने नियाज फातेहा पढ़ने के बाद दुआ मांगी । इस तर मोहर्रम की 11 तारीख गुरूवार के सुबह 8 बजे से ताजियों के अंतिम दीदार के लिए नये बस स्टैन्ड पर बाद नमाज फजर सभी ताजिये विसर्जन हेतु रवाना हुये जहां मजमा लगा रहा और मुस्लिम भाईयों व महिलाओं द्वारा ताजियों का अंतिम दीदार किया। बताया जाता है कि इस मजमें के पश्चात सभी ताजिये करबला शरीफ विसर्जन के लिए हसन हुसैन के नारों के साथ रवाना हुए, जो शक्कर नदी पुल से निकलते हुसे शिवांगन के पीछे नपा द्वारा बनाये गये विसर्जन कुंड में ताजियों का सिवर्जन किया गया। इस मौके पर सैकड़ो लोगों ने ताजियों के अंतिम दीदार किये। इसके पूर्व बुधवार की रात्रि में यौम ए आशूरा पर स्थानीय चांवडी वार्ड बारह भाई इमाम बाड़े के सामने एकत्र हुये ताजियों पर रात भर मजमा लगा रहा। यहां पर बड़ी तादात में लोगों ने आकर ताजियों पर लोभान छोड़ा व रेबड़ी का प्रसाद चढ़ाकर अपनी मन्नते मांगी। वही दूसरी ओर व्यवस्थाएं बनाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षज उमेश तिवारी ने अपनी टीम के साथ यहां पर सारी रात व्यवस्थाएं बनाने में जुटे हुये देखे गये और पूरा प्रशासन जहां पूर्णरूप से अलर्ट पोजिसन में नजर आया । वही बताया जाता है ्कि इस मौके पर सवारियों ने पूरी रात नगर में रन किया तथा पूरी रात चले मजमे के बाद सुबह फजर की नमाज के उपरांत चांवड़ी से ताजियों का काफिला विसर्जन हेतु रवाना हुआ। शहीदी मोहर्रम की 11 तारीख को ताजियों को अलविदा करने के पूर्व अंतिम दीदार करने सैकड़ो की संख्या में लोग उनके दर्शन हेतु पहुंचते हुये देखे गये। वहां ताजियों पर रेबड़ी का प्रसाद चढ़ाकर ताजियों के समक्ष इत्र लोभान की धूनी देकर मन्नते मांगी, ढोल तांसो के साथ पुरूषों, युवाओ व छोटे बच्चों द्वारा एकता व भाईचारे का प्रदर्शन किया तथा ताजियों का मजमा व विसर्जन को देखने के लिए शहर के अलावा आस पास के ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग आये थें। करबला में जगह जगह लंगर छबील का वितरण किया गया। इस दौरान जामा मस्जिद समिति द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि यहां पर शहर के ताजियों के आलवा समीपस्थ ग्राम कामती, सालीचौका, लिलवानी सहित अन्य जगहों की ताजिये भी आये हुए है जिन्हें स्थानीय शक्कर नदी करबला पर नपा द्वारा बनाये कुंड में सभी ताजियों को विसर्जित किया गया। मगर इस वर्ष नदी में पानी अधिक होने के कारण ताजियों को करबला तक पुल वाले रास्ते से ले जाया गया। वही ताजियों के विसर्जन का सिलसिला करीब दो घंटे तक चला, करबला शरीफ से लौटते वक्त टोलियों के साथ बहुत से लोग अलविदा अलविदा सारे शहीदों कर्बला या हुसैन इब्ने अली, दो जहां के सुल्ताँ अलविदा पढ़ते हुये ताजियाँ ठंडे करने के बाद अपने अपने घर वापिस लौटे।

पौधे के साथ प्लेटफार्म भी हो रहे हैं गायब, हर वर्ष लाखों खर्च होने के बाद भी दर्शन नहीं दे रहे पेड़

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

राष्टीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा। लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है। इस सच्चाई को देखते हुये क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय के दौरान सरपंच, सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयांत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है? जानकारी के अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल 20 प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही मिल पायेगे? अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेटफार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे, जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। वही इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत तहसील के लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। वही ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे जो गफलत बाजी बरती गई है जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायत में आसानी से देखने मिल सकता है जहां पर बीते हुये पांच वर्षो के कार्यकाल के दौरान जहां हरित क्रांति के नाम पर लाखो रूपया खर्च होने के बाद भी हरियाली कोसो दूर तक नजर नही आ रही है? इस सब में हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है? यह ग्राम पंचायतों के माध्यम से बीते हुये पांच वर्ष के कार्यकाल में पौधा रोपण के नाम पर जो राशि खर्च की गई है उसकी निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित ही अनेक पंचायतों के सरपंचों की सच्चाई उभरकर सामने आने से नही बच पायेगी।

गरीबों का हक मार कैरोसिन की हो रही कालाबाजारी

एक लीटर तेल के लिए भटक रहे गरीब

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

यह बात अलग है कि केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के नाम पर उज्जबला योजना की शुरूआत करते हुए जहां गरीबों के घरों तक गैस कनेक्शन तो पहुंचा दिये गये है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब इन गरीबों के घरों में गैस खत्म हो जाती है तो उसे भरवाने के लिए लगने वाली रकम एकत्र करना इतना आसान नही रहता है जिसमें उनके घरों की गैस टंकी को बदल दिया जावे? वही दूसरी ओर जिन गरीबों को गैस कनेक्शन प्रदान किये गये है उन गरीबों के लिए अब सेवा सहकारी समितियों से मिट्टी तेल मिलना भी बंद हो जाने के कारण जहां गरीबों के लिए नई परेशानी खड़ी हो रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो इस भीषण मंहगाई के चल रहे दौर में मिट्टी के तेल से गरीबों को भोजन बनाना आसान रहता था। मगर अक्सर देखा जाता है कि सहकारी समितियों की दुकानों के सेल्समेन और गांव के नेता नुमा लोग गरीबों के हक पर डाका डालते हुए कैरोसिन की काला बाजारी करने में कोई कसर छोड़ रहे है? क्योंकि गरीबों के लिए महंगी जलाऊ लकड़ी खरीदने में असमर्थ होने के कारण उन्हें मिलने वाला मिट्टी तेल इस समय क्षेत्र के वाहनों में जलते हुए दिखाई पड़ रहा है? अक्सर देखा जाता है कि जहां गरीब दो लीटर मिट्टी तेल के लिए भटकते हुए देखे जाते है। वही दूसरी ओर अनेक प्रभावशाली लोग खुलेआम ग्रामीण क्षेत्रों की सहकारी दुकानों से जिस प्रकार से बैरल भरकर मिट्टी तेल ले जाते हुए देखे जाते है तो सहकारी दुकानों में चलने वाली गफलबाजी की सच्चाई अपने आप ही स्पष्ट होते हुए दिखाई देने लगती है? जिसके चलते यदि इन दुकानों में काम करने वाले सेल्समेनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह जहां चंद वर्ष पहले दो पहिया वाहनों पर घूमते हुए दिखाई पड़ रहे थें वह अब चार पहिया वाहनों से अपनी दुकानों को पहुंचते हुए दिखाई पड़ रहे है? यह बात अलग है कि अनेक सेल्समेनों के पास खेती बाड़ी होने के कारण उनकी आय की सच्चाई की जांच होने की संभावनाओं पर अंकुश लग जाता है, मगर इन सेल्समेनों के द्वारा अपनाई जाने वाली कार्य प्रणाली उनकी सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है।

खबर संक्षेप

समनापुर के ग्राम सचिव नर्मदा प्रसाद बड़गैंया निलंबित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा गत दिवस ग्राम पंचायत समनापुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में उन्होंने पाया कि 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत जनपद पंचायत समनापुर के द्वारा वर्ष 2023-24 में स्वीकृत ''पाईप लाईन'' विस्तारीकरण ग्राम पंचायत समनापुर हेतु जारी राशि 15 लाख रूपए का कार्य अपूर्ण पाया गया। जिसके कारण ग्रामवासियों को पेयजल की समस्या हो रही है। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने तत्संबंध में कलेक्टर को शिकायत भी की। नर्मदा प्रसाद बड़गैंया द्वारा लंबे समय से निर्माण कार्य अपूर्ण रखना शासकीय दायित्वों के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता को दर्शाता है। उक्त कृत्य म.प्र. पंचायत सेवा 2011 नियम-7 (अनुशासन तथा नियंत्रण) के उल्लंघन के श्रेणी में आता है। अतः कलेक्टर ने सचिव नर्मदा प्रसाद बड़गैंया, ग्राम पंचायत समनापुर को तत्तकाल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन की अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी तथा निलंबन अवधि में बड़गैया का मुख्यालय जनपद पंचायत समनापुर निर्धारित किया गया है।

आकाशीय बिजली गिरने से सास एवं बहू की मौत

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। पुलिस चैकी अमरपुर क्षेत्रातंर्गत ग्राम पंचायत घेवरी के ग्राम खम्हरिया में गुरुवार को दोपहर लगभग 3 बजे अचानक हुए मौसम परिवर्तन बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से गुलशन बाई पति गोविंद उम्र 48 वर्ष एवं बहू संगीता बाई पति मानिक उम्र 28 वर्ष की मौत हो गई। जानकारी अनुसार खेत में रोपा लगा रही थी। वहीं तेज बारिश होने के कारण उखड़े रोपा खेत से नाला की ओर बहने लगे, जिन्हें उठाकर दूर रखने गए। इसी बीच आकाशीय बिजली गिरी और सास बहू दोनों चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जिसकी सूचना पुलिस चैकी अमरपुर में दी गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटनास्थल पहुंचे पंचनामा तैयार कर शव परीक्षण हेतु भेजा गया।

कलेक्टर ने पटवारी अविनाश कुरसेंगा को किया निलंबित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने पटवारी अविनाश कुरसेंगा निलंबित पटवारी ह.नं. 145,148,154 ग्राम कोकोमटा को तत्काल प्रभाव निलंबित कर दिया है। निलंबन आदेश में उल्लिखित है कि बुधवार को कलेक्टर द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया कि शिकायतकर्ता कल्याण पिता सुन्दर सिंह राठौर निवासी ग्राम कोकोमटा द्वारा शिकायत की गई कि अविनाश कुरसेंगा, पटवारी ह.नं. 145,148,154 द्वारा भूमि खसरा नं. 32/1 का अभिलेख सुधार हेतु प्रकरण में पटवारी द्वारा 16 फरवरी को जांच कर प्रतिवेदन आज दिनांक तक प्रस्तुत नहीं किया गया है तथा उक्त पटवारी द्वारा सी.एम. हेल्प लाईन के प्रकरणों तथा न्यायालयीन प्रकरण में प्रतिवेदन समय सीमा में प्रस्तुत नही किया जा रहा है। अतः मप्र सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) 1966 के नियम 9 के तहत पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय तहसील कार्यालय डिण्डौरी के कानूनगो शाखा में रहेगा तथा इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। साथ ही आदेश में पटवारी के निलंबन अवधि में इनके हल्के का प्रभार पटवारी अंकित सोनी को सौंपा गया है।

गुरु पूर्णिमा पर स्कूलों में दो दिवसीय कार्यक्रम होंगे आयोजित

अनूपपुर। जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 20 एवं 21 जुलाई को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कल प्रार्थना सभा के बाद प्रार्थना स्थल में शिक्षकों द्वारा गुरू पूर्णिमा के महत्व एवं पारंपरिक गुरु-शिष्य संस्कृति के विषय में बताया जाएगा। प्राचीनकाल में प्रचलित गुरूकुल व्यवस्था एवं उसका भारतीय संस्कृति पर प्रभाव विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता भी विद्यालयों में आयोजित की जायेगी। इसी प्रकार 21 जुलाई को विद्यालयों में माँ सरस्वती वंदना, गुरूजनों एवं शिक्षकों का सम्मान तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरू संस्मरण पर संभाषण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। 21 जुलाई को यथासंभव साधु संतो, गुरूजनों, शिक्षकों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, पूर्व छात्रों एवं आमजनों को भी आमंत्रित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

जमीन अधिग्रहण हेतु जिला प्रशासन द्वारा जारी भूमि अधिग्रहण अधिसूचना के विरोध में सौंपा ज्ञापन

राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना के डूब प्रभावित किसानों ने खोला मोर्चा, पाँचवी अनुसूची के उल्लंघन का आरोप

निर्माण कार्यों में लगी रोक पर जताया आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावानी

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। राघवपुर मरवारी बहु उद्देशीय परियोजना के विरोध में डूब प्रभावित लगातार मुखर रहे हैं,अपनी बात शासन स्तर तक पहुंचाने के लिए अनेको बार धरना प्रदर्शन करते हुए आवदेन/ज्ञापन सौंप चुके हैं, इसके साथ ही ग्रामीण लगातर परियोजना के विरोध में मोर्चा खोले हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्माण होने से जिले के लगभग 45 गाँव विस्थापित होंगे, जिसको लेकर प्रभावित जनता लगातार बांध के विरोध में धरना प्रदर्शन, ज्ञापन, आंदोलन करने पर विवश हैं, कलेक्टर द्वारा पत्र क्र./भू-अर्जन/2024/678 डिंडोरी दिनांक 05.07.2024 के माध्यम से भूमि अधिग्रहण के लिए कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास विभाग संभाग क्र. 02, मण्डला को प्रशासक नियुक्त करने संबंधी अधिसूचना जारी किया गया है। जिसको लेकर डूब प्रभावित गाँव के आम जनो ने महारानी दुर्गावती परिसर में संगोष्ठी कर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा हैं, ज्ञापन में उल्लेख हैं की संविधान के पांचवी अनुसूची के अंतर्गत डिंडौरी जिला अधिसूचित है। मध्यप्रदेश सरकार भू अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित कृतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के क्रियान्वयन के लिए 03 सितम्बर 2015 को नियम को अधिसूचित किया है। इस नियम के कंडिका (16) में लिखा गया है कि ग्राम सभा की सहमति संविधान की पांचवी अनुसूची के अनुसूचित क्षेत्रों में भुमि अर्जन के सभी मामलो में सम्बंधित ग्राम सभा की पूर्व सहमति प्रारुप (च) मे अभिप्राप्त की जानी चाहिए।

-पाँचवी अनुसूची के उल्लंघन का आरोप

मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम 2022 की कंडिका 18 की धारा (1) के अनुसार अधिसूचित क्षेत्रों में भू -अर्जन के समस्त मामलों में (म.प्र.) मध्यप्रदेश भू अर्जन, पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2015 के नियम 16 के अनुसार संबंधित ग्राम सभा की सहमति प्राप्त की जानी चाहिए, उपरोक्त दो तथ्यों के आलोक की ग्राम सभा राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना के लिए काश्तकारी भूमि को अधिग्रहण करने की सहमति नहीं देता है। हम लोग आपसे मांग करते है के सभी डूब प्रभावित ग्राम पंचायतों से सहमति/असहमति संकल्प प्राप्त करने के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाया जाना चाहिए था। जो कि आपके द्वारा अधिनियम 2013 की धारा 11 के कंडिका (4) अधिसूचना जारी किया गया है। इस प्रारुप (च) में ग्राम सभा का संकल्प लेने के लिए आने वाले पदाभिहित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ग्राम सभा की इसकी सुचना लिखित में और ढोंडी पीटवाकर एक सप्ताह पूर्व अधिनियम 2013 की धारा 11 की कंडिका (4) ग्राम पंचायत को सूचना देने के बाद पत्र जारी करना चाहिए था, कि ग्राम सभा की सहमतिध्असहमति करती या नहीं, ग्राम सभा सकल्प फार्मेट में ग्राम सभा के सदस्यों और पदाभिहित जिला अधिकारी का संयुक्त हस्ताक्षर होना चाहिए था, यह संयुक्त हस्ताक्षर फार्मेट दो प्रति में बनाया जाना और एक प्रति ग्राम सभा को रिकार्ड के रुप में दिया जाना चाहिए था। जिससे फार्मेट में किसी भी तरह का फेरबदल की गुंजाइश ना रहे। पंचायत के आवेदन पत्रों में दर्शाया गया कंडिका का पालन में पारदर्शिता नही लाया गया हैं, अधिनियम 2013 की धारा 11 कंडिका (4) अधिसूचना जारी किया गया है जिसमें ग्राम पंचायत के नवीन निर्माण कार्यों में रोक लगा दी गई है ,जिसका डूब प्रभावित जनमानस विरोध जताया है। राघवपुर बहु उद्देशीय परियोजना कार्य प्रगति में हैं,उसे रोक लगाई जाये, अन्यथा की स्थिति में धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

-ज्ञापन में ये रहे मौजूद

कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, इन्होंने मांग किया है कि कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए, इस दौरान अमर सिंह मार्को, हरि मरावी, राजबली मरावी, रूप सिंह मरावी, ओमकार तिलगाम, सूरज कुंजाम, अनिता उद्दे, समेत काफी संख्या में डूब प्रभावित किसान मौजूद रहे हैं।

कैरियर काउंसलिंग योजनांतर्गत मनोवैज्ञानिक और विषय विशेषज्ञ हेतु शिक्षित बेरोजगार एवं युवा विद्यार्थियों का होगा चयन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि शिक्षित बेरोजगार आवेदकों और विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय/ तकनीकि महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राओं का रोजगार/ स्वरोजगार प्राप्त करने हेतु निःशुल्क कैरियर काउंसलिंग योजनांतर्गत मनोवैज्ञानिक/ विषय विषेशज्ञों का चयन मानदेय के आधार पर किया जाना है।

जिसमें व्यावसायिक सहायता मार्गदर्शन सहायता उपलब्ध कराना, वर्तमान आकस्मिक परिदृश्य के अनुरूप हितग्राहियों में रोजगार बाजार की समझ विकसित करना, रोजगार प्राप्त करने की क्षमता को बढाने के तरीके के संबंध में सुझाव देना, देशध्विदेश एवं प्रदेश के विद्यालयध्तकनीकि संस्थाओं व अन्य पाठ्यक्रमों की जानकारी व इन पाठ्यक्रमों में प्रदेश तथा छात्रवृत्रि इत्यादि की जानकारी उपलब्ध कराना, निजी, सार्वजनिक और शासकीय क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार रिक्तियों के संबंध में नियमित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना, व्यवसाय का चयन करने में, उसमे परिवर्तन करने एवं उसके साथ समायोजन करने में सहायता देना, विभिन्न स्वरोजगार ईकाईयों की जानकारी उन योजनाओं के अंतर्गत स्थापित होने वाले स्वरोजगार ईकाईयों के संबंध में जानकारी तथा स्वरोजगार में स्थापित होने वाले व्यवसाय के परियोजना प्रतिवेदनों को तैयार करने में आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध करान, रोजगार कार्यालय में लम्बे समय से पंजीबृद ऐसे आवेदक जो लाभदायक रोजगार पाने में असमर्थ रहे हो के प्रकरणों की समीक्षा कर उचित मार्गदर्शन देना, जिला एवं विकास खण्ड स्तर पर शालाओं व महाविद्यालयों में व्यावसायिक मार्गदर्शन वार्ताओं का आयोजन करना शामिल है। इसी प्रकार मनोवैज्ञानिकध्विषय विशेषज्ञयों का चयन दैनिक मानदेय के आधार पर जो निजी, सार्वजनिक एवं शासकीय क्षेत्र में संलग्न योग्य व्यक्तियों में से किया जाएगा। मनोवैज्ञानिक के लिए अनिवार्य योग्यता साईकौलॉजी में स्नातकोत्तर डिग्री एव विषय विशेषज्ञयों हेतु किसी भी विषय में स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा रहेगी। इच्छुक आवेदक जो कैरियर काउंसिलिंग करना चाहते हैं वे अपना आवेदन पत्र पूर्ण बायोडाटा सहित दिनांक 29 जुलाई 2024 को शाम 06.00 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय डिण्डौरी में जमा कर सकते हैं।

स्कूली बच्चों को यातायात के नियमों के जानकारी देते हुये अधिकारी

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। यातायात प्रभारी, आरटीओ के द्वारा पुलिस अधीक्षक श्रीमति वाहनी सिंह के मागदर्शन में थाना यातायात पुलिस डिण्डौरी एवं जिला परिवहन कार्यालय डिण्डौरी द्वारा सेंट एंजिल स्कूल डिण्डौरी में 'राजस्थान प्रशासनिक सेवा' से सेवानिवृत्त एवं पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी श्रीमति वाहनी सिंह जी के पिता महावीर सिंह जी को आमंत्रित कर संयुक्त यातायात जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। जिसमें महावीर सिंह जी द्वारा स्कूली बच्चो को डेमों के माध्यम से सडक दुर्घटना के समय हेलमेट की महत्ता को बारीकी से समझाया गया । महावीर सिंह जी द्वारा स्कूली बच्चो को जानकारी देते हुये बतलाया गया कि सडक दुर्घटनाओं में अधिकांश मृत्यु सिर में चोट लगने के कारण होती है, एवं हेलमेट किस तरह हमारे सिर की सुरक्षा कर सडक दुर्घटना के दौरान प्राणरक्षक साबित होता है। कार्यक्रम के दौरान यातायात प्रभारी सुभाष उइके द्वारा नाबालिक बच्चो द्वारा वाहन न चलाने, बिना ड्रायविंग लायसेंस के वाहन न चलाने, ओव्हर स्पीड न चलने एवं यातायात के नियमों के संबंध में जानकारी दी जाकर यातायात के नियमों का पालन करने एवं अपने पालकों को भी यातायात के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करने का आग्रह किया गया । जिला परिवहन कार्यालय से पंकज डेहरिया द्वारा ड्रायविंग लायसेंस बनवाने हेतु आवश्यक अर्हतायें एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से बतलाया गया । कार्यक्रम के दौरान 'राजस्थान प्रशासनिक सेवा' से सेवानिवृत्त महावीर सिंह जी, थाना प्रभारी यातायात सुभाष उइके, आर. 359 कृष्णपाल सिंह, आर. 367 कमलेश अहिरवार, आर. 270 भूपेन्द्र डोल्हारे, आर.आई. (राजस्व) दीपक रघुवंशी एवं जिला परिवहन कार्यालय से उपस्थित रहे ।

अमरपुर मुख्यालय अतिक्रमण की मकरजाल में उलझा

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। राज्य सरकार द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान चला कर सभी शासकीय भूमि, नदी, नाले आदि से अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। परंतु अमरपुर ब्लॉक मुख्यालय में ऐसे निर्देशों का पालन नहीं हो पा रहा हैं। अमरपुर मुख्य मार्ग के दोनों तरफ पूर्व में बनी नाली में मुरूम आदि भर पाटकर सड़क के किनारे तक अतिक्रमण कर लिया गया हैं।

वर्तमान समय में नाली गायब हो चुकी हैं। सड़क में एक भारी वाहन निकल जाए तो जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं। यह समस्या प्रतिदिन की बनी रहती हैं। इस वजह से कुछ छोटी छोटी दुर्घटनाएं भी घटित होती रहती हैं। शायद प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार हैं। पूर्व वर्षों में सड़क दुर्घटना में एक स्कूली छात्र की मौत भी हो चुकी हैं। अतिक्रमण हटाने की मांग हमेशा ग्रामीणों द्वारा की जाती रही हैं। पूर्व में ग्राम पंचायत को भी आवेदन दिया गया हैं। वहीं पर शांति समिति के बैठक में अनेकों बार यह मुद्दा उठाया जाता हैं। परंतु अतिक्रमण हटाना तो दूर की बात हो गई हैं। नित्य प्रतिदिन अतिक्रमण बढ़ते ही जा रहे हैं। सभी शासकीय भवनों के सामने या बगल में अवैध भवन निर्माण कर व्यवसाय किया जा रहा हैं। या फिर आशियाना बना हुआ हैं। शासकीय भूमि में मकान बनाकर लोग रह रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ ब्लॉक मुख्यालय में शासकीय भवन बनाने को जगह ही नहीं मिल पा रही हैं। ग्राम पंचायत तक पहुंचने वाले मुख्य मार्ग के दोनों ओर अवैध कब्जा हैं। तब भी पंचायत प्रतिनिधि या कर्मचारी अंजान बने हुए हैं। अमरपुर जनपद मुख्यालय में पदस्थ अनेकों विभाग के अधिकांश अधिकारी एवं कर्मचारी डिंडौरी जिला मुख्यालय से प्रतिदिन आना-जाना कर रहे हैं। शायद मुख्यालय का सचिव भी जिला मुख्यालय से आना-जाना कर रहे हैं। शायद इसी वजह से यहां पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों को ग्राम विकास के कार्यों से सरोकार की फिकर ही नहीं हैं। ग्रामीणों की जानकारी अनुसार शासकीय भूमि में कुछ वर्षों का अवैध कब्जा कर बेच भी दिया जाता हैं। अगर प्रशासन द्वारा सूक्ष्मता के साथ कड़ी कार्यवाही की जाय तो अनेकों प्रकरण उजागर होने की संभावना हैं।

100 दिवसीय जागरूकता अभियान अंतर्गत मिशन शक्ति के बारे में दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति के तहत संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की शुरुआत की गई, जिसमें 100 दिवसीय जागरूकता अभियान चल रहे हैं।इस अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन उपरांत मिशन शक्ति के पांचवे सप्ताह में आज दिनांक 18.07.2024 को कन्या शिक्षा परिसर, रयपुरा (जिला डिंडोरी) में वन स्टॉप सेन्टर प्रशासक श्रीमती नीतू तिलगाम द्वारा विद्यालय की बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए मिलने वाले लाभ, सेवाएं एवं योजनाओं के साथ साथ तीन नए कानून के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही वन स्टॉप सेन्टर परामर्शदाता श्रीमती निकिता मरकाम द्वारा पॉक्सो एक्ट, चाइल्डलाइन (1098)के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं वन स्टॉप सेन्टर केस वर्कर श्रीमती रितु खांडे द्वारा वन स्टॉप सेन्टर (सखी), महिला हेल्प लाइन (181) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेन्टर विधिक सलाहकार श्रीमती स्मिता चैरसिया, केस वर्कर श्रीमती रागिनी धुर्वे, विद्यालय के प्राचार्य के साथ ही विद्यालय के सभी शिक्षक भी उपस्थित रहे।

-मेसर्स साहू एचपी गैस एजेंसी गाड़ासरई को बर्खास्त करने भेजा प्रस्ताव

उज्जवला योजना में धांधली मामले पर डीएम सख्त

-कारण बताओ नोटिस का नही दिया संतोषजनक जवाब

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मेसर्स साहू एच.पी. गैस ग्रामीण वितरक गाड़ासरई द्वारा प्रधानमन्त्री उज्जवला योजना, पीवीटीजीमएस परिवार, घरेलु संवर्ग उपभोक्ताओं को गैस कनेक्शन तथा रिफिल प्रदाय में अनियमितता किये जाने के कारण एजेंसी को टर्मिनेट कर अन्य वैकल्पिक व्यवस्था करने के सम्बन्ध में राज्य समन्वयक हिंदुस्तान पेट्रोलियम करपोरेट लिमिटेड इंदौर को प्रस्ताव भेजा है। प्रतिवेदन पत्र में उल्लेख किया गया है कि कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी शेख शमीम द्वारा दिनांक 03 तथा 04.07.2024 को जांच की गई है। जिसमें उनके द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में अवगत कराया है कि मेसर्स साहू एचपी गैस ग्रामीण वितरक गाडासरई की जांच में 27 ऐसे उपभोक्ताओं के दस्तावेज प्राप्त किये गए, जिनका वितरक द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन जारी कर दिया गया, किन्तु वितरक द्वारा भौतिक रूप से गैस कनेक्शन गैस चूल्हा, गैस पाइप रेगुलेटर, एलपीजी सिलेंडर व एसवी प्रदाय नहीं किया गया है।

उक्त गैस एजेंसी वितरक गाडासरई द्वारा पूर्व में भी अनियमितता किये जाने पर पुलिस थाना गाडासरई में संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3ध्7 के तहत धारा 420, 34 आईपीसी के तहत दर्ज कराया गया था। उक्त सम्बन्ध में कार्यालयीन पत्र क्रमांक 404 दिनांक 5 जुलाई 2024 के द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का जवाब मेसर्स साहू एचपीसी द्वारा 09 जुलाई 2024 को कलेक्टर के समक्ष पेश किया है, जिसमे उन्होंने उक्त कारण बताओ नोटिस के विषय में क्षमा मांगी है।

नोटिस जारी होने के बाद पात्र गृहस्थ परिवारों को कनेक्शन दिए गए जो नियमानुसार एसवी जारी होने के तत्काल बाद दिया जाना था।इनके द्वारा शिकायत की जांच की पुष्टि होने के पश्चात उपभोक्ताओं को प्रधानमन्त्री, उज्जवला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया है जिसमें प्रधानमन्त्री जनमन योजना के पीवीजीटीएस परिवार भी शामिल है, जो केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना.में लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता बरती गई है। इस प्रकार गैस एजेंसी के संचालक द्वारा मनमाने ढंग से गैस एजेंसी का संचालन एवं प्रधानमन्त्री उज्जवला योजना के तहत उपभोक्ताओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन के वितरण में लगातार अनियमितता की जा रही है। स्वेच्छाचारिता से कार्य किया जा रहा है। अनावेदक द्वारा प्रस्तुत कारण बताओ नोटिस का जवाब समाधाकारक एवं संतोषप्रद नहीं है। गैस एजेंसी के संचालन कार्य में लगातार अनियमितता की जा रही है। इसके पूर्व भी गैस एजेंसी द्वारा अनियमितता पाए जाने पर पुलिस थाना गाडासरई में अपराध कायम किया गया था। गैस एजेंसी संचालक द्वारा लगातार प्रधानमन्त्री उज्जवला योजना पीवीटीजीएस परिवार घरेलु संवर्ग उपभोक्ताओं को गैस कनेक्शन तथा रिफिल प्रदाय में अनियमितता किये जाने से क्षेत्र में उपभोक्ताओं में असंतोष व्याप्त है और लगातार शिकायते प्राप्त हो रही है। क्षेत्र की समस्याओं की दृष्टिगत रखते हुए तथा क्षेत्रीय उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए मेसर्स साहू एचपी गैस ग्रामीण वितरक गाड़ासरई की टर्मिनेट कर उपभोक्ताओं के लिए अन्य वैकल्पिक व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रस्ताव भेजा गया है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

10

जबलपुर, शुक्रवार 19 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

ऑफिसर्स क्लब में किया वृक्षारोपण

नरसिंहपुर। गत दिवस ऑफिसर्स क्लब एवं नारी कल्याण संगठन के प्रांगण में महिलाओं ने बड़े उत्साह से वृक्षारोपण किया। महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के फलदार वृक्ष और फूलों के पौधे लगा कर पर्यावरण के संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। इस उपलक्ष पर संगठन की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा तिवारी सहित सभी महिलाएं उपस्थित थीं

जहरीली दवा के सेवन से युवक की मौत

नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र गाडरवारा अंतर्गत निरंजन वार्ड चिरहकला निवासी राहुल पिता तरवर कीर उम्र 22 वर्ष ने अपने घर में जहरीली दवा का सेवन कर लिया। परिजनों को सूचना मिलने पर वह उसे गाडरवारा सरकारी अस्पताल ले गए जहां से उसे गम्भीरे स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया वहीं जिला अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल चैकी पुलिस ने शव का पंचनामा कार्यवाही के बाद मर्ग प्रकरण कायम कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

करंट लगने से दो लोगों की मौत

नरसिंहपुर। विगत दिवस करेली थाना अंतर्गत खेत जाने वाले रास्ते पर करंट लगने से दो लोगो की मौत हो गई । मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भुगवारा निवासी राहुल जाट, मोहन जाट को करंट लग जाने से घायल हो गये जिन्हे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर मर्ग पंचानामा तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

भाजपा मंडल कार्यसमिति हुई सम्पन्न

नरसिंहपुर। गत दिवस भाजपा कार्यालय में नगर व ग्रामीण मंडल की कार्यसमिति का आयोजन किया गया जिसमें नर्मदापुरम नरसिंहपुर सांसद चै.दर्शन सिंह पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। कार्यसमिति की शुरुआत महापुरुषों के माल्यार्पण व अतिथियों के स्वागत कर किया गया। तत्पश्चात पूर्व समय में मंडल द्वारा किये गये कार्यक्रमों की जानकारी, भाजपा परिवारों में दिवंगत हुए व्यक्तियों के प्रति शोक प्रस्ताव व राजनैतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसमें उपस्थित जनों ने ओम् की ध्वनि से समर्थन किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी.अभिलाष मिश्रा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व की मंशानुरूप मंडलों में कार्यसमितियां आयोजित की जा रही है। सांसद दर्शन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि पहली बार सांसद कि रूप में मंडल की कार्यसमिति में उपस्थित हूं आप सभी ने चुनाव के दौरान प्रत्येक बूथ पर दर्शन सिंह बनकर चुनाव लड़ा है इस हेतु आप सभी का वंदन अभिनंदन है। आप सभी कार्यकर्ताओं का जीवन भर ऋणी रहुंगा और आपके कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करूंगा। सांसद बनने के बाद मैने बिना देर लगाये क्षेत्र विकास से जुड़ी समस्याओं के निराकरण हेतु शीर्ष नेतृत्व व केन्द्रीय मंत्रियों से व्यक्तिगत मिलकर निराकरण कराने हेतु निवेदन किया है। नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा के नवनिर्वाचित सांसद चौधरी दर्शन सिंह ने कार्यसमिति बैठक के पश्चात जिला कार्यालय में आये क्षेत्रीय आगंतुकों व भाजपा कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुना व संबंधित अधिकारियों से बात कर समस्या को निराकृत करने हेतु निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक माह के प्रथम व अंतिम शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में उपस्थित होकर क्षेत्रीय जनों व कार्यकर्ताओं की समस्याओं के निराकरण करने हेतु उपलब्ध रहेगे।

दबंगों द्वारा महिला को किया जा रहा प्रताड़ित

महिला ने दबंगों के डर से छोड़ा गांव

नरसिंहपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को सख्त हिदायत दी गई है कि शिकायतों पर उचित कार्रवाई की जावे जिससे जिले मे अपराधों पर कमी आ सके। वही महिला द्वारा दिये गये आवेदन मे करेली पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे है। शिकायतकर्ता के अनुसार पुलिस ने उचित कार्रवाई नही कि जिससे दबंगो के हौसले बुलंद है और आपराधिक कृत्य किया जा रहा है और महिला को गांव छोड़ने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। यदि पुलिस ऐसे ही कार्रवाई करती रही तो जिले मे अपराध कम होने के वजह बढ़ते जायेंगे ।

करेली पुलिस ने नही की कार्रवाई

बीते दिवस थाना क्षेत्र करेली निवासी महिला द्वारा महिला द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई जिसमे महिला द्वारा बताया गया कि दबंगो के डर से उसे गांव छोड़ना पड़ रहा है। महिला द्वारा आवेदन मे बताया गया है कि दबंगो द्वारा महिला के साथ अभद्र व्यवहार भी किया गया। जिसकी शिकायत करेली पुलिस से की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नही की गई और महिला को गांव छोड़ना पड़ा उक्त शिकायत के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी संदेह उत्पन्न होता है। करेली पुलिस द्वारा महिला की शिकायत पर कार्रवाई ना करना लोगो को समझ से परे नजर आ रहा है और इन्ही कारणों से दबंगो के हौसले बुलंद है।

महिला के साथ की छेड़छाड़

करेली थाना अंतर्गत ग्राम निवासी महिला ने ग्राम कोदसा के दबंगों द्वारा बुरी नियत से उसके साथ घर में घुसकर झूमा झटकी करने और उसे प्रताड़ित किये जाने की शिकायत गत 9 जुलाई को पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर की जनसुनवाई में करते हुए उक्त दबंगों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध करते हुए उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान किये जाने की माँग की है। दिये गए आवेदन के अनुसार आवेदिका 22 जून 2024 को अपने घर पर अकेली थी तभी ग्राम कोदसा निवासी व्यक्ति द्वारा घटना दिवस को सुबह 9 बजे आवेदिका के घर में घुसकर बुरी नियत से छेड़छाड़ की जिसकी शिकायत करने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नही की गई।

महिला को छोड़ना पड़ा गांव

जिसकी शिकायत को लेकर पीड़ीता ने 24 जून 2024 को पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर के समक्ष होकर प्रस्तुत होकर घटना के सम्बंध में आवेदन दिया। उक्त आवेदन पर उसे करेली थाने में जाकर कार्रवाई करने का आश्वासन मिला, आवेदिका 24-25 जून को करेली थाने में लगातार दो दिन तक गई किन्तु उसकी वहाँ पर कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं दबंगों द्वारा उसे लगातार डराया और धमकाया जा रहा है जिसके डर से वह अपना गाँव छोड़कर अन्यत्र चली गई है। वहीं गत दिवस वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय, नरसिंहपुर आई और अपने साथ हुई घटना पर अब तक कार्यवाही न किये जाने की बात पुलिस अधीक्षक से बताई, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने तत्काल ही नरसिंहपुर महिला थाने भेजकर मामले में कार्यवाही के निर्देश दिये।

व्यावसायिक शिक्षा कौशल प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। गत दिवस पी एम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकबेल में व्यावसायिक शिक्षा की गतिविधियों के तहत कौशल प्रदर्शनी का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यार्थियों के लिए कौशल व प्रदर्शनी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। श्रुति सेन त्रिवेणी लोधी चंद्रयान श्री, शिवानी विश्वकर्मा रुकमणी काछी सलोनी नामदेव द्वारा कंप्यूटर आशा मेहरा, कशिश लोधी द्वारा कंप्यूटर पार्ट्स श्रीराम कुर्मी आडियोनोकार मोबाइल से चलती है ,दुर्गा ढीमर सर्वर सोनाली, भक्ति, रिया ने सेटेलाइट कमन्युकेशन, पुष्पलता साहू , कुसुम हृदय संचार पोस्टर, कमल लोधी,काजल लोधी द्वारा कोल थर्मल - पावर प्लांट के माडल पोस्टर तैयार कर स्टार्स प्रोजेक्ट अंतर्गत कोशल विकास प्रदर्शनी में लगाए गए।इस अवसर पर रघुवीर सिंह लोधी प्राचार्य, सतीश चैधरी प्राचार्य द्वारा बच्चों से बातचीत की गई एवं बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडलों के बारे में जानकारी भी ली और बच्चों को निकट भविष्य में अच्छे से अच्छा करने के लिए प्रेरित किया गया । उक्त अवसर पर मार्स्गदर्शी शिक्षक अमित पटेल , कमलेश दुबे, बी एस मेहरा, एस आर चढ़ार, महेंद्र पटेल, दीपक सोनी, श्रीमती क्षमा पटेल, श्रीमती भारती गुप्ता, अंजना गुप्ता उपस्थित रही।

महाकवि प्रदीप की स्मृति में व्याख्यान एवं रचना पाठ आज

नरसिंहपुर। साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, भोपाल द्वारा महाकवि प्रदीप की स्मृति में 'व्याख्यान एवं रचनापाठ' 19 जुलाई को सायं 7 बजे से एम.आई.एम.टी. कॉलेज में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में महाकवि प्रदीप के व्यक्तित्व और कृतित्व पर साहित्यकार नीतेश जोशी बड़नगर एवं श्रीमती अराधना दुबे, सहायक प्राध्यापक एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र रचना पाठ में कवि गुरू प्रसाद सक्सेना, नरसिंहपुर, डॉ. सुधीर सिंघई, नरसिंहपुर, पुष्पेन्द्र दुबे, सागर, अमित जैन, करेली, डॉ. गनेश कुमार सोनी, नरसिंहपुर, ललित नाथ, हर्रई, आशीष सोनी, गाडरवारा, सुश्री मेघा आनन्द मिश्रा, नरसिंहपुर, सुश्री वंदना विनम्र, जबलपुर अपनी-अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

गोकुलम्वेबिनार का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। विगत दिवस जीसीसीआई के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मंत्री ,पूर्व राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभभाई कथीरिया के मार्गदर्शन में गोकुलम् भाग नंबर 22 मे गोमूत्र से स्वावलंबन विषय पर बेबीनार का आयोजन किया गया है। वेबिनार में वक्तव्य देवाराम भाई पुरोहित द्वारा और समापन मार्गदर्शन जीसीसीआई के स्थापक डॉ.वल्लभभाई कथीरिया द्वारा किया गया। वेबिनार का संचालन श्रीमती शताब्दी पांडे द्वारा किया गया। जी सी सी आई के जनरल सेक्रेटरी, मित्तल खेताणी पुरीश कुमार अमिताभ भटनागर, तेजस चोटलिया। मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप डी गुप्ता ने कहा कि यह वेबिनार जी सी सी आई के नीचे दिए गए प्लेटफार्म पर लाइव किया गया। प्रदेश प्रेस संयोजक प्रेस मीडिया प्रभारी भागीरथ तिवारी ने इस वेबिनार को लाइक, शेयर किया।

दुर्दशा पर बहा रहा है आंसू पंजीयन कार्यालय

नरसिंहपुर। जनपद पंचायत कार्यालय परिसर गोटेगांव में स्थित उपपंजीयक कार्यालय में अव्यवस्थाओं का अंबार होने के साथसाथ समुचित सुविधाएं उपलब्ध ना होने के कारण कार्यालय अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है, विगत कई दशक से उपपंजीयक कार्यालय में समुचित व्यवस्थाएं ना होने के कारण जमीन जायदाद खेत प्लाटों की लिखा-पढ़ी सहित प्रॉपर्टी संबंधी विभिन्न प्रकार के कार्यों हेतु क्रेता विक्रेताओं को उपपंजीयक कार्यालय पहुंचने पर विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि मध्यप्रदेश सरकार की तिजोड़ी में खजाना भरने का कार्य करने वाला कार्यालय टीन सेट से बना हुआ एक मामूली से टपरे जैसा नजर आता है, इसे देखकर लगता ही नहीं है कि शासन को करोड़ों की आमदनी दिलाने वाला एक बहुत ही अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यालय है,जहां से प्रति दिन लाखों रुपए आमदनी शासन को प्राप्त होती है, ऐसे कार्यालय में रजिस्ट्री कराने वालों के लिए बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं होने के साथसाथ बारिश के मौसम में उपपंजीयक कार्यालय के सामने परिसर में लबालब बारिश का पानी भर जाने की वजह से आनेजाने वालों को अनेकों प्रकार की मुसीबतों का सामना करना पड़ने के साथही भीषण गर्मी के मौसम में कार्यालय में सीमेंटेड लेटर ना होने की वजह से टीन शेड की तपन के कारण क्रेता विक्रेता को रजिस्ट्री करते समय अपना पसीना बेवजह गर्मी के कारण बहाना पड़ता है, जबकि उपपंजीयक कार्यालय में अपना कोई विभागीय ज्यादा कोई खर्चा नहीं है, इस कार्यालय का सिर्फ कार्य सरकार का खजाना भरना है,फिर भी ऐसे कार्यालय को टीन शेड से सुसज्जित किया गया है,आखिर ऐसे महत्व पूर्ण कार्यालय को समुचित व्यवस्थाओं का लाभ आखिर कब प्राप्त होगा,टीन सेट के टपरेनुमा आकर से आखिर कब निजात मिलेगी इस संबंध में कोई कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है, इस कार्यालय को छोड़कर नगर में जितने भी सरकारी कार्यालय मौजूद है, वह सभी पक्के और सर्व सुविधायुक्त है आखिर ऐसा क्यों है इतना ही नहीं टीन शेड के अंदर रजिस्ट्री कराने वाले मुंशी एवं स्टॉम पेपर विक्रय करने वाले के बैठने के कारण टीन शेड के नीचे बना दो कमरों का परिसर बहुत संकरा हो जाता है,उपपंजीयक कार्यालय के माध्यम से सरकार के खजाने में हर साल कई लाखों रुपए राशि गोटेगांव से पहुंचती है, इसके बावजूद भी उक्त भवन को सुविधा युक्त बनाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाये जाने की वजह से अधिकारी कर्मचारी क्रेता विक्रेता सभी को विभिन्न प्रकार की परेशानियों से जूझते हुए कार्यालय में सकरी जगह के कारण एक दूसरे से सटे हुए कुर्सी जमा कर बैठने के लिए मजबूर है,शासन को ऐसे महत्वपूर्ण लाखों की आमदनी प्रतिमाह कराने वाले कार्यालय को जनता जनार्दन को होने वाली परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए शीघ्र अति शीघ्र सर्व सुविधायुक्त पक्का कार्यालय बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाना न्यायोचित होगा,क्षेत्रवासियों ने उपपंजीयक कार्यालय में शीघ्र अतिशीघ्र समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

सांसद एवं विधायक ने किया राजस्व महाअभियान का किया शुभारंभ

नरसिंहपुर। राजस्व महा अभियान 2.0 का शुभारंभ सांसद होशंगाबाद चैधरी दर्शन सिंह, विधायक तेंदूखेड़ा विश्वनाथ सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष विष्णु कुमार शर्मा, अभिलाष मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नगर परिषद कार्यालय के सभागार में किया। इसके उपरांत किसानों के साथ अभियान को सफल बनाने पर चर्चा की। इस दौरान अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, तहसीलदार, आरआई, पटवारी सहित राजस्व अमला मौजूद था। इस दौरान सांसद श्री सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा राजस्व महा अभियान 2.0 प्रदेश में चलाया जा रहा है। इसमें भू- स्वामियों के हित में त्वरित और आसान सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए यह अभियान 18 जुलाई से 31 अगस्त तक जारी रहेगा। अभियान के अंतर्गत राजस्व न्यायालय के निलंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण, भू- अभिलेख का दुरूस्तीकरण और अभिलेख की शुद्धिकरण जैसे कार्य किए जाएंगे। किसान सम्मान निधि के लिए किसानों के नाम जोड़ने के साथ ही ई- पटवारी बस्ता की व्यवस्था आरंभ की जा रही है। इससे शुचिता के साथ राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण में मदद मिलेगी। इसके पश्चात एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर परिषद कार्यालय के परिसर में पौधारोपण किया गया।

किसानों की सहूलियत का विशेष ध्यान रखा जाए सांसद

नरसिंहपुर। लोकसभा सांसद नर्मदापुरम चौधरी दर्शन सिंह की अध्यक्षता में जिले के विभागीय अधिकारियों एवं विभागों द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरुवार को हुई। बैठक के प्रारंभ में अधिकारियों द्वारा परिचय देकर अपने- अपने विभागों में संचालित की जा रही योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य अधिकारी, अभिलाष मिश्रा, डॉ. हरगोविंद पटेल एवं अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि मौजूद थे। सांसद द्वारा बैठक में जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि उपार्जन केन्द्रों पर किसानों द्वारा लाई जाने वाली मूंग की तुलाई सही तरीके से एवं शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही की जाये। उपार्जन कार्य में गड़बड़ी करने वाले सर्वेयर को हटाकर ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही की जाये। किसानों की सहूलियत का विशेष ध्यान रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों पर बिजली चोरी के झूठे प्रकरण नहीं बनाये जायें। ऐसे प्रकरणों की समीक्षा अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा गांव में कैंप लगाकर की जाये। इन मामलों में लोगों से अधिकारियों का समन्वय एवं संवाद स्थापित हो। सांसद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कृषि फीडर में किसानों को मिलने वाली बिजली की सुनिश्चितता निचले स्तर तक हो। साथ ही जिन क्षेत्रों में विद्युत लाइन सुधार का कार्य किया गया है, उसकी भी सूची अधिकारी प्रस्तुत करें। बैठक में गन्ना की समीक्षा करते हुए उप संचालक गन्ना अभिषेक दुबे ने बताया कि जिले में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष 30 प्रतिशत गन्ने की उपज ज्यादा हुई है। जिले के गन्ना किसानों द्वारा 7 सुगर मिलों में 1177.86 करोड़ रुपये का गन्ना बेचा गया, जिसमें से 1174.35 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। सांसद श्री सिंह ने गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया कि वे शेष राशि का भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित करवाकर इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा यह भी चिंता व्यक्त की गई कि मवेशी सड़कों पर विचरण करते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं के कारण उनकी मृत्यु होती है। इनकी सुरक्षा के लिए समाज को आगे आना होगा। ऐसे गोवंशों को समीप की गौशालाओं में शिफ्ट किया जाना चाहिये। गौशालाओं का संचालन समिति संवेदनशीलता के साथ हो। आबकारी, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अवैध शराब बिक्री करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाये। इसके अलावा जिले में अवैध रेत खनन नहीं हो। संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। बैठक में सांसद श्री सिंह ने राजस्व महाअभियान 2.0 की चर्चा की और राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस अभियान के अंतर्गत राजस्व संबंधित अभिलेख दुरुस्त करने का कार्य हो।

कर्बला में विसर्जन के साथ संपन्न हुआ मोहर्रम

तेंदूखेड़ा- पैगम्बर ए इस्लाम हजरत मुहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनायें जाने वाला मुहर्रम पर्व कर्बला में ताजियों के विसर्जन के साथ संपन्न हो गया।इस वर्ष नगर के विभिन्न वार्डों में अलग-अलग छः स्थानों पर ही सवारियां बनाई गई थी। जिनकी गश्त के उपरांत रामलीला मैदान में रखा गया था। दूसरे दिन जुलूस के साथ कठोतिया स्थित कर्बला में विसर्जित किया गया। इसमें इस्लाम के सभी महिला पुरुष एकत्रित थे।

सांसद विधायक ने किया वृक्षारोपण

तेंदूखेड़ा- गुरुवार को तेंदूखेड़ा नगर परिषद के द्वारा विभिन्न शासकीय कार्यालयों में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्रीय सांसद चैधरी दर्शन सिंह विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल भाजपा जिलाध्यक्ष इंजि अभिलाष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में उपस्थित पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पाषर्दों अधिकारियों कर्मचारियों ने भाग लिया।नगर परिषद कार्यालय से वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत कर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने एक वृक्ष मां के नाम अभियान की पृष्ठभूमि भी विचार रखते हुए विस्तार से जानकारी दी गई। शासकीय अस्पताल में पौधारोपण के अवसर पर सरस्वती पूजन दीप प्रज्वलन के उपरांत बी एम ओ डा राजकिशोर पटेल सभी अतिथियों का पुष्पाहारों शाल और फल से सम्मान किया गया। उपस्थित अतिथियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की वस्तुस्थिति से अवगत कराया कि वहीं अतिथियों के द्वारा पदस्थ डाक्टरों एवं कर्मचारियों के परिश्रम की सराहना करते हुए शीघ्र ही पर्याप्त स्टाप की बात कही।

एम आर एफ केंद्र में रोपे सर्वाधिक पौधे

नगर के बाहर फुट्टातला के समीप बने कचड़ा संपादित केंद्र एम आर एफ परिसर में लगभग 400 से अधिक पौधे रोपे गए। जिनमें फलदार छायादार पौधे प्रमुख रुप से शामिल हैं। इसके अलावा वन रोपणी केंद्र शासकीय छात्रावास बालक एवं कन्या विद्यालय आई टी आई संत मोनी महाविद्यालय आचार्य वाटिका सहित विभिन्न संस्थाओं में पौधारोपण संपन्न हुआ।

लोगों ने बताई अपनी समस्या

एम आर एफ केंद्र परिसर में वृक्षारोपण के दौरान वहां पर हाल ही में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनें मकानों के हितग्राहियों के द्वारा सड़क बिजली पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर विधायक के समक्ष अपनी बात रखी जिसमें मौके पर उपस्थित एस डी एम से चर्चा करते हुए शीघ्र ही उचित कार्यवाही कर मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में आदेशित किया गया। एवं विधायक ने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी हर संभव मदद की जायेगी।इस मौके पर प्रदेश कार्यसमीति किसान मोर्चा अवधेश सिंह पटेल भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष पटेल राजीव अग्रवाल हरगोविंद सिंह पटेल प्रताप सिंह कौरव एकम सिंह पटेल डालचंद पटेल शिवदयाल खेरोनिया सुनील जैन डा प्रकाश जैन वीरेन्द्र स्वदेशी रुपम मनकेडी सोनू महाराज पंकज अग्रवाल रामकुमार ठाकुर डब्बल पांडोरिया लीलाधर कुशवाहा उदित शर्मा संतोष लोधी मनीष चैबे ठाकुर दास जाटव प्रमुख रुप से उपस्थित थे। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों में एस डी एम संघमित्रा गौतम एस डी ओ पी मधुर पटैरिया वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव वानखेड़े नगर परिषद सीएमओ एस डी साहू नगर निरीक्षक बी एस चैधरी बी एम ओ डा राजकिशोर पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर में चोरी, दान पेटी से चुरा ले गए नगदी

तेंदूखेड़ा- इन दिनों चोरों के हौंसले इतनी बुलंदी पर हैं।कि अब भगवान के मंदिरों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार सुआतला थाना अंतर्गत आने वाले देवरी राजमार्ग के समीप क्षेत्र के प्रतिष्ठित संकटमोचन हनुमान मंदिर से बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात में अज्ञात चोर मंदिर में रखी दान पेटी को उठाकर ले गए और दान पात्र को तोड़कर उसमें रखी राशि निकाल कर ले गए। गौरतलब रहे कि यहा पर विशाल मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कर रहे मिस्त्री के द्वारा देवरी के प्रतिष्ठित जो मंदिर आया जाया करते हैं लोगों को सूचना दी गई। गुरुवार के सुबह सुआतला पुलिस थाने पहुंच कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने भी प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।स्मरण रहे कि पूर्व में भी इसी क्षेत्र से लगे हुए मानकपुर बिजोरा में भी चोरियां हुई थी जिसका आज तक कोई पता नहीं चल सका है।